नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

इस तरह की शर्मनाक घटनाओं का दोहराव ना हो!

इंदौर में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना ने पूरे देश को शर्मसार कर दिया है. यह घटना न केवल एक आपराधिक कृत्य है, बल्कि भारत की खेल और सांस्कृतिक प्रतिष्ठा पर भी चोट पहुंचाने वाली है. जब पूरा शहर और देश आईसीसी महिला विश्व कप जैसे बड़े आयोजन की मेजबानी कर रहा था, तब इस प्रकार की सुरक्षा में चूक चिंताजनक है. यह घटना तब हुई जब दोनों खिलाड़ी अपने होटल से निकल कर पास के कैफे जा रही थीं. तभी एक मोटरसाइकिल सवार युवक ने उनका पीछा किया और उनमें से एक को गलत तरीके से छूकर भाग गया. यह महिलाओं के सम्मान का स्पष्ट उल्लंघन है और हमारे समाज की उस संस्कार-परंपरा के खिलाफ है, जिसके लिए भारत जाना जाता है. सौभाग्य से पुलिस ने तत्परता दिखाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. यह सही है कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की जानी चाहिए, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर कर दिया है. जब देश एक अंतरराष्ट्रीय खेल महोत्सव का आयोजन कर रहा हो, तो विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी और प्रभावी होनी चाहिए. केवल पुलिस ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि आम नागरिकों को भी महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना विकसित करनी होगी.

महिलाओं के खिलाफ कोई भी हिंसा या असम्मान की घटना कभी भी मामूली या छिटपुट नहीं हो सकती. हमें गहराई से यह समझना होगा कि महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा सिर्फ कानून के पालन का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक सोच और संस्कार का हिस्सा होना चाहिए. खेल आयोजनों के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा और सख्ती आवश्यक है. होटल, स्टेडियम और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी और सुरक्षा तंत्र को ज्यादा सशक्त बनाया जाना चाहिए. नागरिक समाज को भी यह समझना चाहिए कि महिलाओं के प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा हमारी संस्कृति का अहम हिस्सा है.

इंदौर की यह घटना उस शहर की स्वच्छता, सभ्यता और सांस्कृतिक छवि पर कलंक है. पर यह वक्त है कि हम इस संकट को अवसर में बदलें और अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें. प्रशासन, पुलिस और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी महिला, चाहे वह स्थानीय हो या विदेशी खिलाड़ी, अपने आप को असुरक्षित महसूस न करे. यह घटना हमें यह भी सिखाती है कि सुरक्षा केवल व्यवस्था का नहीं, बल्कि संस्कृति का भी अहम हिस्सा है. खेल के मैदानों पर जैसा सम्मान जीतना जरूरी है, उसी तरह सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है. हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि ऐसी शर्मनाक घटनाएं दोबारा कभी ना हों. कुल मिलाकर इस घटना से हमें सीख लेकर अपनी सोच और सुरक्षा के तरीकों में सुधार करना होगा. केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि समाज में जागरुकता लाकर हम महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा का एक मजबूत वातावरण बना सकते हैं. तभी हम अपने देश की साख और सांस्कृतिक विरासत को संजो पाएंगे.

इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए कानून सुधार, पुलिस निगरानी, और सामाजिक जागरुकता तीनों की आवश्यकता है. कानून को और सख्त बनाना होगा, पुलिस को बेहतर प्रशिक्षित एवं सुसज्जित करना होगा और समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना जगा कर एक सुरक्षित समाज का निर्माण करना होगा. यह हमारा कर्तव्य है कि हम सब मिलकर ऐसी घटनाओं को नकारें और सुनिश्चित करें कि हर महिला यहां अपने अधिकारों और सुरक्षा के साथ जीवन यापन करे. इस दिशा में ठोस कदम तभी सार्थक होंगे जब पूरे समाज का सहयोग और समझदारी साथ हो.

सूर्य उपासना का शास्त्रीय पक्ष और छठ

आचार्य टेकनारायण उपाध्याय
वरिष्ठ अर्चक श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

> सूर्य साधना स्वयं प्रभु श्री राम ने भी की थी. प्रभु श्रीराम के पूर्वज भी सूर्यवंशी थे. भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र सांब भी सूर्य की उपासना करके ही कुष्ठ रोग दूर कर पाए थे.
> **उगते ही नहीं डूबते सूर्य को भी देते हैं अर्घ्य-** सूर्यदेव की न सिर्फ उदय होते हुए बल्कि अस्त होते समय भी की जाती है. भगवान भास्कर की डूबते हुए साधना सूर्य षष्ठी के पर्व पर की जाती है. जिसे हम छठ पूजा के रूप में जानते हैं. इस दिन सूर्य देवता को अर्घ्य देने से इस जन्म के साथ-साथ, किसी भी जन्म में किए गए पाप नष्ट हो जाते हैं. नदियों से मिले जल और सूर्य से मिली किरणों ने हमेशा से मानवता को पाला और पोषा है. बड़ी बड़ी सभ्यताएं और संस्कृतियां नदियों और सूर्य के परस्पर समन्वय से ही विकसित हो पाई है. छठ इन नदियों, तालाबों के जल और सूर्य की किरणों को हमारी कृतज्ञता दर्शाने का तरीका है. इस महापर्व के माध्यम से पूरी की पूरी उत्तर भारतीय संस्कृति माँ गंगा, यमुना, सोन, घाघरा, सरयू, गंडक ना जाने और कितनी असंख्य धाराओं, जलाशयों, पोखरों, तालाबों की ओर अपनी कृतज्ञता प्रकट कर रही होती है.

प्राचीनतम उपासना का पर्यवेक्षण करने पर प्रतीत होता है कि भगवान के दृश्य प्रतीकों में सर्वप्रथम मान्यता सूर्य को प्राप्त हुई. वह प्रत्यक्ष एवं दृश्यमान भी है.संसार में सूर्योपासना का प्रचलन सर्वोपरि है. सर्वप्रथम और सर्वप्रमुख भी.

ऋग्वेद संसार में सबसे प्राचीन ग्रंथ है. उसमें आठ सूक्त सिर्फ सूर्य की प्रार्थना और विवेचना के संबंध में ही है. देव मांयताओं के साथ यह तथ्य भी जुड़ा कि उनकी पूजा, प्रार्थना से अपने अंदर दैवी गुण को समाविष्ट कर उन्हें अपने अनुकूल बनाया जा सकता है और अभिष्ट वरदान पाया जा सकता है.

सूर्य को सचेतन माना गया है- सविता. उसका रथ कलेवर ही वह है, जो अंयान्य ग्रहों की भाँति गतिशील रहता है चमकता है, उदय-अस्त होता है, जिसे अग्निपिंड भी कहते हैं. यह कलेवर ही अरुण है, जो ऊषाकाल के उपरांत स्वर्णिम आभा के साथ उदय होता है.

अद्यादेवा उदिता सूर्यस्य निरहंस (ऋग्वेद)

अर्थात्- हे उदीयमान सूर्य आप हमें पाप कर्मों से उबारें.

सूर्योदय य : सुमगहित : भास्कर :
धृति प्रज्ञाँ च मेघाँ च सविन्दयते समहित
(महाभारत)

अर्थात्- सूर्योदय के समय जो भगवान भास्कर की भली प्रकार उपासना करता है. वह धृति, मेधा और प्रज्ञा को प्रचूर-परिमाण में प्राप्त करता है.

गीता में भगवान् श्रीकृष्ण कहते हैं

आदित्यानामहं विष्णुर्ज्योतिषां रविरंशुमान्
मरीचिर्मरुतामस्मि नक्षत्राणामहं शशी..21/10

मैं अदिति के बारह पुत्रों में विष्णु और ज्योतियों में किरणों वाला सूर्य हूँ तथा उनचास वायुदेवताओं का तेज और नक्षत्रों का अधिपति चन्द्रमा हूँ.(

उद्यन्तमस्त यन्तमादित्य भभिध्यायन कुर्वन् सकलं भद्रयश्नुते (तैत्तरीय उ)

अर्थात्- उदय होते हुए, अस्त होते हुए सूर्य का ध्यान करें. इससे सब प्रकार के कल्याण होते हैं.

स्मरतां संध्ययोनृणं हरन्तं हो दिने दिने.
- भागवत्

अर्थात्- दोनों संध्याओं के समय सूर्य का ध्यान करने से मनुष्य दिन-दिन पवित्र बनता जाता है.

संध्ययो अर्चयेत् सूर्य. - सूर्यपुराण

अर्थात्- दोनों उदय अस्त की संध्याओं में सूर्य की उपासना करें.

प्रातर्भजामि सविता रमनन्त शक्तिं
पापैश्च शत्रु भय रोग हरं परं च

अर्थात्- अनंत शक्ति वाले सविता का प्रात:काल स्मरण करना चाहिए. जो शत्रु भय तथा रोगों को हरने वाला परमतत्त्व है.

सूर्य सम्पूजयेनित्यं
सावित्रीं च जपत् तथा .
सूर्यार्घ्यं संधयोर्दद्यान्नम स्कूर्याच्च भास्करम्.

अर्थात्- सूर्य की नित्य पूजा करें, तथा गायत्री का जप करें. दोनों संध्याओं में अर्घ्य दें. भास्कर को नमस्कार करें.

वेदों में सूर्य को ऊर्जा का विशाल स्त्रोत माना गया है. सौर मंडल का केंद्र सूर्य ही है जिसके चारों और सभी ग्रह परिक्रमा करते हैं. सूर्य सौर मंडल को ऊर्जा देता है.

ऋग्वेद(1.112.1), यजुर्वेद(7.42) और अथर्ववेद(13.2.35) में एक श्लोक है **सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च** जो सूर्य को ऊर्जा मानने की पुष्टि करता है. सूर्य प्रदूषण नाशक भी है इस बात का उल्लेख अथर्ववेद (3.7) में मिलता है. इसे मंत्र, **उत पुरस्तात् सूर्य एत, दुष्टान् च ध्नन् अदृष्टान् च, सर्वान् च प्रमृणन् कृमीन्** से उल्लेखित किया गया है. यानी इसका अर्थ है सूर्य का प्रकाश दिखाई देने वाले और न दिखाई देने वाले सभी प्रकार के प्रदूषित जीवाणुओं और रोगाणुओं को नष्ट करने की क्षमता रखता है. सूर्य चंद्रमा को प्रकाश देता है. यह बात सदियों पहले हमें इन्हीं वेदों से मिलती है. यजुर्वेद(18.40) में मंत्र है,

सुषुम्ण : सूर्य रश्मि : चंद्रमा गरन्धर्व, अस्यैको रश्मि :
चंद्रमसं प्रति दीप्तयते. निरुक्त(2.6)
आदित्यतोअस्य दीप्तिर्भवति.

अर्थात,सूर्य की सुषुम्ण नामक किरणें चंद्रमा को प्रकाश देती हैं. इसी तरह सामवेद में उल्लेखित है कि सूर्य संसार का धारक और पालक है.

धर्ता दिवो भुवनस्य विश्पति : सामवेद (1845)

सूर्य पूजा कर श्री राम ने रावण पर विजय पायाअगस्त्य ऋषि ने भगवान श्रीराम को आदित्य हृदय स्तोत्र पाठ के महत्व को बताया था. रावण के विरुद्ध युद्ध में विजय के लिए प्रभु श्रीराम ने आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ किया था.

विंध्य की डायरी

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में विंध्य का दबदबा हुआ कम

डॉ. रवि तिवारी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पद सम्भालने के करीब साढ़े तीन माह में अपनी टीम की घोषणा कर दी है. प्रदेश कार्यकारिणी में विंध्य की अनदेखी और उपेक्षा की गई है. जिसको लेकर भले ही नेता मुखर होकर नही बोल रहे है पर अंदर ही अंदर आग सुलग रही है. संगठन में बहुत कम प्रतिनिधित्व विंध्य को इस बार मिला है. विंध्य का दबदबा कम हुआ है. पूर्व की कार्यकारिणी में विंध्य का दबदबा था. बीडी शर्मा के टीम में योगेश ताम्रकार और कांतदेव सिंह उपाध्यक्ष रहे तो राजेश पाण्डेय मंत्री एवं शारतेंदु तिवारी महामंत्री थे पर नई कार्यकारिणी में केवल सिंगरौली से कांतदेव सिंह को पुन: उपाध्यक्ष बनाया गया है. किसी नये खाटी कार्यकर्ता को कार्यकारिणी में स्थान नही मिला है, जबकि मालवा का दबदबा देखा गया है. आखिर विंध्य की उपेक्षा संगठन में क्यो हुई यह एक बड़ा सवाल है? विंध्य भाजपा का गढ़ बन चुका है और यह क्षेत्र सदैव सत्ता के लिये महत्वपूर्ण और निर्णायक की भूमिका में रहता है. फिर यहां की अनदेखी किसके इशारे पर भी गई. या यह कहा जाय कि विंध्य के नेताओं का संगठन में कोई पकड़ नही है. शायद यही वजह है कि केवल एक उपाध्यक्ष विंध्य को मिला. पूर्व में जो दबदबा था उसे खत्म किया गया है. जातीय समीकरण को भी दरकिनार किया गया है. भाजपा नेताओं के यह बात गले नहीं उतर रही इस बार संगठनात्मक तरीके से विंध्य को कमजोर क्यो किया गया? हालाकि डा. नंदिता पाठक को उपाध्यक्ष बनाया गया है जो बघेलखंड और बुंदेलखंड में सक्रिय रहती है.

अनुशासन की वर्दी में अमर्यादित भाषा

प्रदेश की पुलिस को इस समय क्या हो गया है, अच्छे दिन नही चल रहे है. अनुशासन की वर्दी में अमर्यादित भाषा बोलने का एक नया फैशन चल पड़ा है. यह बात और है कि अब सोशल मीडिया का जमाना है, बात बाहर आई तो कार्यवाई तय है. सीधी जिले में डीसीआरबी शाखा में पदस्थ एक महिला आरक्षक अंजू जायसवाल का वीडियो सामने आया. जिसमें वो वर्दी में एक पंडित जी को गाली देती नजर आ रही है. इनकी जुबान बता रही है कि शासकीय सेवक होने के बाद भी जातिवाद भरा हुआ है. इसी लिये ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग कर रही है. सीधी एसपी ने मामले को संज्ञान में लिया और बगैर देर किये अमर्यादित शब्दो का प्रयोग करने वाली महिला पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया. अगर वीडियो न होता तो शायद कार्यवाई भी न होती.

स्वास्थ्य महकमे की टूटी नींद

छिंदवाड़ा में जहरीली कफ सिरप ने माँ की गोद उजाड़ दी तब स्वास्थ्य महकमे की नींद टूटी. अब प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग कुछ दिन के लिये नींद से उठ कर सक्रिय हो गया है. जब तक मामला यादो के पीछे दबेगा नही तब तक जिम्मेदार पहरेदारी करते रहेंगे. प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के गृह जिले में भी स्वास्थ्य महकमा नींद से जाग चुका है. खुद स्वास्थ्य मंत्री अस्पतालो का औचक निरीक्षण भी कर रहे है तो डर स्वभाविक है. रीवा में बगैर पंजीयन के नर्सिंग होम और क्लीनिक संचालित थी पर सीएमएचओ को खबर नही थी. किसी ने मुखबिरी की तो तालाबंदी हो गई. इसी तरह अन्नपूर्णा मेडिकल स्टोर के संचालक ने धरती के कहे जाने वाले भगवान और स्वास्थ्य सिस्टम को लेकर दर्द बयान कर आफत मोल ले ली. फिर क्या था सीएमएचओ साहब ने पहुंचकर दुकान को सील कर दिया. सवाल यह उठता है कि अभी तक कार्यवाई क्यो नही हो रही थी? क्या स्वास्थ्य महकमे को छिंदवाड़ा की घटना का इंतजार था. स्वास्थ्य मंत्री का गृह जिला है ऐसे में यहां स्वास्थ्य विभाग को शासन के डर के साथ चौकन्ना रहना चाहिये पर उल्टा है. किसी को कोई डर भय नही है. नियमो को ताक में रखकर मेडिकल स्टोर और नर्सिंग होम चल रहे है. सीएमएचओ कार्यालय की मेहरबानी है.

बांग्लादेश निर्माण में भारत का रोल नकारा

बांग्लादेश की लगभग 25 राजनीतिक पार्टियों ने जुलाई में नेशनल चार्टर पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, लेकिन छात्रों के नेतृत्व वाले जिस संगठन- नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की शेख हसीना का तख्ता पलटने में प्रमुख भूमिका थी, उसने यह कहते हुए कि चार्टर का कोई कानूनी आधार नहीं है, इस पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है. वामपंथी दल भी इस चार्टर के विरोध में हैं. इस तरह बांग्लादेशी संसद के बाहर निरंतर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं. प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस अनेक बार आंसू गैस, लाठी चार्ज व ध्वनि ग्रेनेड का प्रयोग कर चुकी है. अनेक लोग घायल हुए हैं और पुलिस के वाहनों में तोड़फोड़ और आगजनी हुई है. नए चार्टर में बांग्लादेश के निर्माण में भारत की भूमिका को नकारा गया है. जुलाई 2024 में छात्रों के नेतृत्व में बांग्लादेश की जनता शेख हसीना की सरकार के खिलाफ उठ खड़ी हुई थी, जिससे हसीना का लगभग 16-वर्ष का कार्यकाल समाप्त हो गया था और उन्होंने 5 अगस्त 2024 को भारत में शरण ले ली थी. दिसम्बर 2024 में बांग्लादेश के अंतरिम प्रशासन ने भारत के पास हसीना के प्रत्यर्पण का आग्रह करते हुए एक कूटनीतिक नोट भेजा. भारत के विदेश मंत्रालय ने नोट मिलने की पुष्टि की है, लेकिन अभी तक उसका कोई जवाब नहीं दिया है. इस बीच इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के वकीलों ने जुलाई 2024 की क्रांति में हुई हत्याओं में हसीना की तथाकथित भूमिका के लिए उन्हें सजा-ए-मौत देने की मांग की है. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस ने इस चार्टर को बांग्लादेश का नया जन्म बताते हुए कहा है, जुलाई के मुजाहिदीनों (सेनानियों) का राष्ट्र पर बहुत बड़ा एहसान है. बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव फरवरी 2025 में होने हैं. यूनुस का कहना है कि नये चार्टर से बांग्लादेश में अनुशासन आयेगा और उत्सव के वातावरण में विश्वसनीय राष्ट्रीय चुनाव हो सकेंगे.

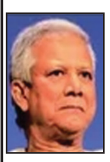

नया चार्टर बांग्लादेश की राजनीति में कितना सुधार ला पायेगा, यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन संसद के बाहर जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं और जिनका दावा है कि उन्होंने ही हसीना का तख्ता पलटा था, उनका कहना है कि नये चार्टर में उनकी चिंताओं पर गौर नहीं किया गया है.

-डॉ. अनिता राठौर

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

गहलोत ने कर दिया काम अपना : तेजस्वी, सहनी को दिखाया सपना

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, हमें कुछ कहावतें काफी रहस्यमय लगती हैं जैसे कि सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लट्ठा! बिहार में चुनाव हुआ ही नहीं लेकिन अभी से महागठबंधन में अगली सरकार के नेतृत्व को लेकर तनातनी शुरू हो गई थी. ऐसे समय कांग्रेस के संकटमोचक अशोक गहलोत ने पटना पहुंचकर मामला सुलझा दिया. उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री चनेंगे और मुकेश सहनी सहित 2 डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे.

हमने कहा, इतना ही काफी नहीं है. अभी से पूरे मंत्रिमंडल का गठन कर मंत्रियों के विभाग तय कर लेने चाहिए, उन्हें शपथ दिलाने का रिहर्सल भी कर लेना चाहिए ताकि बाद में उनकी जुबान न लड़खड़ाए,

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, नीतीश कुमार की जदयू, बीजेपी और लोजपा के चिराग पासवान का गठबंधन फिर से चुनाव जीता तो तेजस्वी के सपने टूट जाएंगे. सहनी को भी दुख सहना पड़ेगा. तेजस्वी को तो अपने बड़े भाई तेजप्रताप का भी विरोध बर्दाश्त करना पड़ रहा है. तिजस्वी चुनाव में यशस्वी होंगे, इसकी क्या गैरंटी है?

हमने कहा, सपने देखने में कौन सा हर्ज है! गहलोत खुद राजस्थान नहीं संभाल पाए. उनकी और सचिन पायलट की लड़ाई में प्रदेश हाथ से निकलकर बीजेपी के पास चला गया. अब गहलोत पटना में तेजस्वी और मुकेश सहनी के बीच सत्ता का बटवारा करने लगे जबकि अभी जनादेश मिला ही नहीं है. चूल्हा जलाए बगैर दाल-चावल की खिचड़ी चढ़ा दी.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ऐसे लालीपॉप देने पड़ते हैं ताकि गठबंधन कायम रहे. वैसे ब्रिटेन में विपक्ष की शैडो कैबिनेट हमेशा तैयार रहती है कि सरकार गिरी तो विपक्ष का कौन नेता प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री, वित्तमंत्री बनेगा. वैसा ही अपने यहां भी होना चाहिए. शेखचिल्ली का सपना देखने में कौन सा नुकसान है! अशोक गहलोत इसी तरह की सलाह देकर अभी से 2029 के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री और चाहें तो खुद को उपप्रधानमंत्री तय कर सकते हैं. एक शेर है- दिल को बहलाने के लिए गालिब खयाल अच्छा है!

हमने कहा, सपने देखना बुरी बात नहीं है. जॉन एफ केनेडी ने कहा था- थिंक बिग, ड्रीम बिग एंड एक्ट बिग अर्थात बड़ी बात सोचो, बड़ा सपना देखो और बड़ा काम कर जाओ. यह बात अलग है कि कभी अरमानों का फुग्गा फूट जाता है और ऐसी नौबत आ जाती है कि आसमान से गिरे, खजूर पे लटके!

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12061 - डॉ. सागर खादीवाला

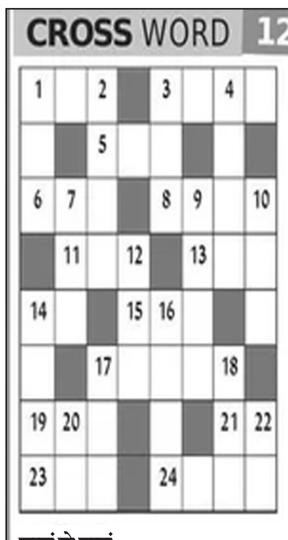

ऊपर से नीचे
1. सुवर्ण, सोना, धतूरा (सं.) ....कंपकपी, कांपना (सं.) 2. तन्मय, तल्लीन, मग्न 3. अपवित्र, गंदा, नीच (उर्दू) 4. सादगी, सीधापन 7. नदी या समुद्र के किनारे की भूमि 9. शब्दों का ठीक प्रकार से उच्चारण न कर सकने के कारण रुक-रुक कर बोलना 10. एक प्रसिद्ध देवर्षि 12. असफल 14 लजाना 16. जन्नत (उर्दू) 17. दाड़िम, एक प्रकार की आतिशबाजी 18. अधिक परिश्रम के कारण क्लांत होने का भाव थकावट 20. शरीर की नस या नाड़ी 22. वेल, वह पौधा जो जमीन या किसी आधार पर फैलता है

बाएं से दाएं
1.निर्धन, दरिद्र 3. एक प्रसिद्ध पौधा जिसके रेशे से रस्सी, बोरे, टाट इत्यादि बनाए जाते हैं 5. वकालत 6. नकल करके बनाया हुआ, बनावटी 8. डर के मारे कांपना, थरांना 11. चूर्ण या तरल पदार्थ को कपड़े या छलनी में से निकालना 13. पंक्ति, क्रम (उर्दू) 14. तीर, वाण, सरकंडा (सं.) 15. यात्री दल (उर्दू) 17. एक तीर्थ स्थल19. प्राण लेना, चोट पहुंचाना 21. समय, अवसर, मृत्यु 23. नगर संबंधी, नगर निवासियों से संबंध रखने वाला 24. समान होने का भाव, बराबरी

Solution 12060

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्रों और भाईयों के सहयोग से कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, मान प्रतिष्ठा बढेगी, वाहन का सुख मिलेगा, राजनैतिक क्षेत्र में वृद्धि होगी, धन संकट का सामना करना पडेगा, शिक्षा में व्यवधान आयेगा, वर्ष के अन्त में व्यापार में प्रगति होगी, कार्यप्रणाली लेखन और साहस में सफलता मिलेगी, प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख मिलेगा, राजनैतिक कार्यों में असुविधाओं का सामना करना पडेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को लेखन अध्ययन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पराक्रम का सामना करना होगा, मकर ओर कुंभ राशि के व्यक्तियों का कार्य क्षेत्र में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को जायजाद संबंधी कार्यो में परेशानी होगी, मतभेदों में वृद्धि होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक का स्वाभाव शांतिप्रिय रहेगा, गंभीर तथा महत्वाकांक्षी होने के कारण शीघ्र ही उन्नति करेगा, बालक हंसमुख, मिलनसार, और दूसरों की सदैव मदद करने वाला होगा, माता का भक्त होगा, जीवन में माता पिता का नाम रोशन करेगा, प्रशासनिक सेवा में जा सकता है.

उदयकालीन ग्रह चाल

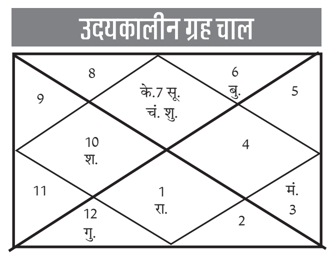

पंचांग

रा.मि. 05 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल षष्ठी चन्द्रवासरे रात 3/35, मूल नक्षत्रे दिन 10/53, सुकर्मा योगे रातअंत 6/0, कौलव करणे सू.उ. 6/24, सू.अ. 5/36, चन्द्रचार धनु, पर्व-सूर्यषष्ठी व्रत, डाला छठ, शु.रा. 9, 11, 12, 3, 5, 7 अ.रा. 10, 1, 2, 4, 6, 8 शुभांक- 2, 4, 8.

व्यापार भविष्य

कार्तिक शुक्ल षष्ठी को मूल नक्षत्र के प्रभाव से तांबा, पीतल, आदि में तेजी जोरदार होगी, गेहूँ, जौ, चना, उडद, मूँग, मोठ, आदि में समता का योग है, रूई, कपास, सरसों, अरंडी, सींगदाना,, बाजार में सामान्य तेजी होगी, भाग्यांक 9518 है.

मेष- समय के अनुरूप कार्यशैली में बदलाव करना लाभकारी है, विरोधियों से बच कर रहें, नौकरी में तरक्की होगी, महत्वपूर्ण कार्यो के बनने का योग है.

वृषभ- दूसरों के मामले में व्यर्थ का हस्तक्षेप न करें, सेहत का उतार चढ़ाव बना रहेगा, मातृपक्ष से कोई विशिष्ट समाचार मिलेगा, लाभांवित होने का योग है.

मिथुन- नई योजना में सोच समझकर निवेश करें, भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी,स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें, व्यर्थ विवाद को टालने का प्रयास करें.

कर्क- आय व्यय में संतुलन बनाये रखें, प्रियजन से मुलाकात यादगार रहेगी, व्यापार में उन्नति होगी, निजी कार्यो में लगनशीलता रहेगी.

सिंह- नए कार्यो के लिये जरूरी धनकी व्यवस्था कर लेंगे, बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, आमोद प्रमोद के साधन उपलब्ध रहेंगे, समय पर कार्य पूर्ण होगा.

कन्या- तालमेल की कमी से कामकाज में देरी हो सकती है, पुराना विवाद सुलझने की उम्मीद है, शिक्षा संबंधित कार्यो में लाभ प्राप्त होगा, अनायास दूर की यात्रा होगी.

तुला- मित्रों से किया गया वायदा निभाने में मुश्किल होगी, वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिलेगी,उपहार आदि की प्राप्ति होगी, पिता पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा.

वृश्चिक- कार्यस्थल पर नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, आर्थिक यात्रा हो सकती है, भाई बंधुओं को कामकाज में यथेष्ठ सहयोग मिलेगा.

धनु- आपका पूरा ध्यान परिवार की जरूरतें पूरा करने की ओर रहेगा, नये व्यापारिक सौदे होंगे, मानसिक संतोष रहेगा, दिनचर्या अनियमित रहेगी.

मकर- प्रियजन के साथ समय बिताकर अच्छा लगेगा, आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होगी.

कुम्भ- लेनदेन में लापरवाही की तो हानि की संभावना है, कूटनीति से काम लें,परिश्रम की अधिकता रहेगी, अतिथि आगमन हो सकता है.

मीन- नई तकनीक से कारोबार में उन्नति हो सकती है, समाज में मान सम्मान बढ़ेगा, आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी, सामाजिक सेवा कार्यो में यश मिलेगा.

SUDOKU 7193

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7192

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1